भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *145
दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

दवा-प्रतिरोधी टीबी के मामले

***145. श्री पी.सी.मोहन:**

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि कोविड महामारी के दौरान दवा-प्रतिरोधी टीबी के मामलों में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में दवा प्रतिरोधी टीबी के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए कोई कदम उठाए हैं/कदम उठाने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

दिनांक 16.12.2022 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या * 145 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

****

(क) से (घ): विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2022 के अनुसार, भारत में डीआरटीबी का अनुमान वर्ष 2015 में 1.49 लाख से 20% घटकर वर्ष 2021 में 1.19 लाख हो गया है।

औषधि प्रतिरोधी टीबी के शीघ्र निदान और उपचार के लिए एनटीईपी द्वारा उठाए गए कदम निम्नानुसार हैं:

1) देश के सभी जिलों को कवर करते हुए मोलेक्यूलर निदान की उपलब्धता हेतु 4760 मशीनें और बढ़ाई गई हैं। इसके अतिरिक्त, एमडीआर-टीबी और एक्सडीआर-टीबी के निदान के लिए देश में 79 लाइन प्रोब एस्से प्रयोगशालाएं और 96 लिक्विड कल्चर परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।

2) एनटीईपी के तहत सार्वभौमिक औषधि संवेदनशीलता परीक्षण (यूडीएसटी) को लागू किया गया है ताकि निदान किए गए प्रत्येक टीबी रोगी का उपचार शुरू होने से पहले ही या उपचार के समय औषधि प्रतिरोध का पता लगाना सुनिश्चित हो सके।

3) डीआरटीबी के प्रबंधन के लिए बेडक्वीलाइन और डेलामैनिड जैसी नई औषधियां भी उपलब्ध कराई गई हैं।

4) देश भर में 162 नोडल डीआर-टीबी केंद्रों और 614 जिला डीआर टीबी केंद्रों के माध्यम से विकेंद्रीकृत डीआर टीबी उपचार सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

****